S.No. of Question Paper	:	7574
Unique Paper Code	:	**2051301**
Name of the Paper	:	**Ritikaleen Kavya**
Name of the Course	:	**B.A. (Hons.) Hindi**
Semester	:	**III**
Duration	:	**3 hours**
Maximum Marks	:	**75 marks**

B

6 F-7

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न 1 'देव' की काव्य–भाषा पर विचार कीजिए।

अथवा

'मतिराम' की सौन्दर्य–भावना पर प्रकाश डालिए। 14

प्रश्न 2 'बिहारी' की काव्य-कला का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

अथवा

'घनानंद' प्रेम की पीर के कवि हैं इस कथन की समीक्षा कीजिए। 14

प्रश्न 3 'भूषण' की काव्य–भाषा पर प्रकाश डालिए.

अथवा

नीतिकाव्य परम्परा में 'गिरिधर कविराय' का स्थान सुनिश्चित कीजिए। 14

प्रश्न 4 निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए

(क) सप्रसंग व्याख्या कीजिए

पिय–आगम सुनि बाल तन बाढ़े हरख बिलास।
प्रथम बूँद बारिद उठैं ज्यों बसुमती सुबास।।
बिन देखे दुख के चलें, देखे सुख के जाहिं।
कहो लाल उन दृगनि के अँसुवा क्यों ठहराहिं।।

अथवा

स्याम घटा लपटी थिर बीज कि सोहैं अमावस अंक उज्यारी।
धूम के पुँज मैं ज्वाल की माल सी पै दृग सीतलता सुखकारी।
कै छबि छायौ सिंगार निहारि सुजान तिया तन दीपति प्यारी।
कैसी फबी घनआनद चोपनि सों पहिरैं चुनि साँवरी सारी।

अथवा

बिना बिचारे जो करे, सो पीछे पछिताए
काम बिगारै आपनौ, जग में होत हँसाय
जग मे होत हँसाय, चित्त में चैन न पावै

खान पान सनमान, राग--रंग मनहि न भावै
कह गिरिधर कविराय, दु ख कुछ टरत न टारै
खटकत है जिय माहि कियो जो बिना बिचारे। 9

(ख) निम्नलिखित पंक्तियों का रचना–कौशल स्पष्ट कीजिए :

कनक–कनक तैं सौगुनी मादकता अधिकाय।
उहिं खाऐं बौराइ, इहिं पाऐं हीं बौराइ।
– उपर्युक्त छंद में अलंकार–सौंदर्य को विश्लेषित कीजिए।

अथवा

इंद्र जिमि जभ पर बाड़व सुअंभ पर
रावन सदंभ पर रघुकुलराज है।
पौन बारिबाह पर संभु रतिनाह पर
ज्यों सहसबाह पर राम द्विजराज है।
दावा द्रुमदंड पर चीता मृगझुंड पर
भूषण बितुंड पर जैसे मृगराज है।
तेज तम अंस पर कान्ह जिमि कंस पर
त्यों मलिच्छ बस पर सेर सिवराज है।।
– उपर्युक्त छंद में अभिव्यक्त भाव सौन्दर्य का विश्लेषण कीजिए।

अथवा

सांसन ही सों समीर गयो अरु आँसुन ही सब नीर गयो ढरि।
तेज गयो गुन लै अपनो अरु भूमि गई तनु की तनुता करि।
'देव' जिये मिलिबेई की आस कि आसहु पास अकास रह्यो भरि।
जा दिन ते मुख फेरि हरे हँसि हेरि हियो जुलियो हरि जू हरि।
– उपर्युक्त छंद में प्रेम के भाव को स्पष्ट कीजिए। 9

प्रश्न 5 निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए :

(क) 'मतिराम' की अलंकार योजना।

अथवा

'देव' के काव्य में भक्ति–भावना। 8

(ख) 'बिहारी' के काव्य में भाव–सौन्दर्य।

अथवा

'घनानंद' की काव्य–भाषा। 7